



डॉ. अर्जुन गणपति चव्हाण,
एम्.ए., बी.एड., पीएच्.डी.
अध्यक्ष, हिंदी विभाग,
शिवाजी विश्वविद्यालय,
कोल्हापुर - 416 004

संस्तुति

मैं संस्तुति करता हूँ कि श्री. वालचंद उमराव नागरगोजे का “ ‘पहला गिरमिटिया’ तथा ‘महानायक’ का विचार पक्ष : तुलनात्मक अध्ययन” लघु शोध-प्रबंध परीक्षणार्थ अग्रेषित किया जाए ।

(Handwritten signature)
25.02.07

(डॉ. अर्जुन गणपति चव्हाण)

अध्यक्ष,

हिंदी विभाग,

शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर.

स्थान - कोल्हापुर

तिथि - 5 FEB 2007

Head
Dept. of Hindi,
Shivaji University
Kolhapur-416004

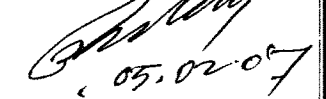
डॉ. अर्जुन गणपति चव्हाण,
एम्.ए., बी.एड., पीएच.डी.
अध्यक्ष, हिंदी विभाग,
शिवाजी विश्वविद्यालय,
कोल्हापुर - 416 004

प्रमाणपत्र

प्रमाणित किया जाता है कि श्री. वालचंद उमराव नागरगोजे ने शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर की एम.फिल. (हिंदी) उपाधि के लिए “ ‘पहला गिरमिटिया’ तथा ‘महानायक’ का विचार पक्ष: तुलनात्मक अध्ययन” लघु शोध-प्रबंध मेरे निर्देशन में पूरे परिश्रम के साथ लिखा है। पूर्वयोजना के अनुसार संपन्न इस कार्य में शोधार्थी ने मेरे सुझावों का आदर्यंत पालन किया है। जो तथ्य इस लघु शोध-प्रबंध में प्रस्तुत किए हैं, मेरी जानकारी के अनुसार सही हैं। यह रचना शिवाजी विश्वविद्यालय या अन्य किसी विश्वविद्यालय की किसी भी उपाधि के लिए प्रस्तुत नहीं की गई है। प्रस्तुत शोध-कार्य के बारे में मैं पूरी तरह से संतुष्ट होकर ही इसे परीक्षणार्थ प्रस्तुत करने की अनुमति प्रदान करता हूँ।

स्थान - कोल्हापुर,
तिथि - - 5 FEB 2007

शोध-निर्देशक



(डॉ. अर्जुन गणपति चव्हाण)

Head
Dept. of Hindi,
Shivaji University
Kolhapur-416004

प्र ख्या प न

मैं प्रख्यापित करता हूँ कि “ ‘पहला गिरमिटिया’ तथा ‘महानायक’ का विचार पक्ष : तुलनात्मक अध्ययन” लघु शोध-प्रबंध मेरी मौलिक रचना है, जो एम्.फिल. (हिंदी) उपाधि के लिए प्रस्तुत की जा रही है । यह रचना इससे पहले इस विश्वविद्यालय या अन्य किसी भी विश्वविद्यालय की उपाधि के लिए प्रस्तुत नहीं की गई है।

स्थान - कोल्हापुर.

तिथि - 5 FEB 2007

शोध-छात्र

Nagaegaje V.U.

(श्री. वालचंद उमराव नागरगोजे)